Lec- 17
Smt. Shanta Singh
Dept. of LSW
SNSRKS College, Sahara


# निर्वाह मजदूरी
## (Living Wage)

विश्व के देशों में न्यूनतम मजदूरी के नियतन में निर्वाह मजदूरी का आधार अत्यन्त ही महत्वपूर्ण रहा है। इन देशों में न्यूनतम मजदूरी, कानूनों, औद्योगिक अधिनिर्णयों, न्यायालयों के निर्णयों या सामूहिक समझौतों के जरिए, श्रमिकों और उनके परिवार के निर्वाह की आवश्यकताओं को ध्यान में रख-कर न्यूनतम मजदूरी निश्चित करने का प्रयास किए गए हैं। प्रारंभिक मजदूरी-नियतन में निर्वाह मजदूरी को ही उचित मजदूरी (Fair Wage) के रूप में देखा गया है, इसके घटकों और उनकी प्रकृति और मात्रा में संबंध में विभेद पाए जाते हैं। सामान्यतः, निर्वाह मजदूरी से ऐसी मजदूरी का बोध होता है जो श्रमिक और उसके परिवार के जीवन की सामान्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त हो। व्यवहार में, निर्वाह मजदूरी के नियतन के प्रयोजन के लिए श्रमिकों के परिवार के आकार, परिवार की आवश्यकताओं में शामिल की जानेवाली वस्तुओं और सेवाओं की मात्रा और प्रकृति तथा श्रमिकों के लिए वांछित जीवन-स्तर के संबंध में अपनाए गए मानकों में व्यापक अंतर पाए जाते हैं। निर्वाह मजदूरी श्रमिकों के रहन-सहन के स्तर से जुड़ी होती है। श्रमिकों के रहन-सहन के स्तर के संबंध में कुछ अ-

धारणाएँ भी दी गई हैं। निर्वाह मजदूरी की प्रकृति की सही समझ के लिए श्रमिकों के रहन-सहन के स्तर की विभिन्न अवधारणाओं की व्याख्या आवश्यक है।

## रहन सहन के विभिन्न स्तर (Different Levels of Living)

श्रमिकों के जीवन-स्तर एवं उनके अर्जन के विशेष संदर्भ में रहन-सहन के स्तरों को अग्रलिखित श्रेणियों में रखा जा सकता है :—

### 1. निर्धनता का स्तर (Poverty level)

निर्धनता-स्तर से स्पष्ट अभावग्रस्तता की अवस्था का बोध होता है, जिसमें अति सावधानी से व्यय करने के बावजूद, परिवार की आय मौलिक रख-रखाव के लिए भी पर्याप्त न होती। रहन-सहन के इस स्तर के कुछ मुख्य लक्षण हैं कुपोषण, घरेलू सामानों की कमी, पक्का भाव, मामूली विपत्तियों को भी झेलने की शक्ति का अभाव, रोगग्रस्तता तथा दयनीय आवास। कई देशों में इस जीवन-स्तर से रहने-वाले श्रमिकों को परोपकारी संस्था का सहारा भी लेना पड़ा है। इस स्तर पर रहने वाले परिवारों के अर्जन का बहुत बड़ा भाग भोजन पर ही व्यय होता है। विश्व के प्रायः सभी देशों में निर्वाह मजदूरी के निर्धारण में रहन-सहन के इस स्तर को पूर्णतः तिरस्कृत किया गया है।

### 2. न्यूनतम निर्वाहमान स्तर (minimum subsistence level).

'रहन-सहन के इस स्तर से उस स्थिति का बोध होता है, जिसमें श्रमिक की आय परिवार के सदस्यों के शारीरिक तथा भौतिक (Physical and material) रख-रखाव के लिए पर्याप्त तो होती है लेकिन वह बड़ी आकस्मिकताओं या धन लगाने वाले सामाजिक सुख के लिये अपर्याप्त होती है।' आकस्मिकताओं या धन लगने वाले सामाजिक सुख के लिए आधार भूत आवश्यकताओं से कटौती कर ही खर्च को वहन किया जा सकता है। इस स्तर पर रहने वाले श्रमिकों के परिवारों को भी कुपोषण, अस्वास्थ्यप्रद दशाओं, घरेलू सुख साधनों की कमी आदि का सामना करना पड़ता है। निर्वाह मजदूरी के निर्धारण में रहन-सहन के इस स्तर को भी संतोष जनक नहीं समझा गया है।

(iii) न्यूनतम स्वास्थ्य एवं मर्यादा स्तर या निर्वाहभाता+ स्तर (Minimum health and decency level or subsistence + level)

इस स्तर पर रहने वाले परिवारों की आय शारीरिक अस्तित्व की आवश्यकताओं के लिये पर्याप्त तो होती है, साथ ही इससे प्राथमिक सामाजिक आवश्यकताओं की भी पूर्ति होती रहती है। इस आय से श्रमिकों के परिवार भोजन के मद से कटौती किये बिना ही शरीर की रक्षा एवं आत्मसम्मान के लिए आवश्यक वस्त्र, बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा, चिकित्सकीय देखभाल, परिवहन पर खर्च, बीमा, स्वास्थ्य मनोरंजन तथा अपने विकास

श्रमिकों के लिए वांछित जीवन-स्तर में सुधार भी रहता है।

'निर्वाह' मजदूरी की अवधारणा (Concept of living wage).

निर्वाह मजदूरी की कुछ परिभाषाएं निम्नलिखित हैं -

(i) ग्रेट ब्रिटेन के ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस की पर्याप्त मजदूरी (adequate wage) के संदर्भ में संशोधित करते हुए डॉ इन्ग्राम (Dr. ingram) ने 1880 में कहा था - सामान्य स्थितियों में किसी निश्चित समय तथा स्थान में मजदूरी उस स्तर से कम नहीं होनी चाहिए जो कामगार और उसके परिवार (औसत संख्या का अनुमानित) को ऐसे जीवन यापन करने में मदद करें जो सर्वाधिक किफायती तो हो, लेकिन जिसे तत्कालीन स्थानीय सभ्यता शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अपरिहार्य समझती हो या मनुष्य के विवेकपूर्ण आत्म सम्मान के लिये वांछित हो।

(in a normal state of things, wages at a given time and place should not fall below what is necessary to enable a working man and his family (supposed of average number) to live in a manner, the most economical indeed, but still consistent with whatever the contemporary local civilisation recognises as indispensable for physical and mental health or required by the rational self-respect of human beings.)

(ii) उचित मजदूरी (Fair Wage committee) के अनुसार 'निर्वाह मजदूरी ऐसे जीवन स्तर का द्योतक है

(ख) दूसरे तरीके में श्रमिक के लिए वांछित जीवन-स्तर को ध्यान में रखते हुए आदर्श आय-व्यय (Budget) तैयार कर लिया जाता है। इस आदर्श बजट में शामिल किये जाने वाले मद, उनकी मात्रा और प्रकृति विचार विमर्श के बाद निश्चित की जाती है। इसी आदर्श आय-व्यय के आधार पर मजदूरी का परिकलन होता है।

(ग) तीसरे तरीके में निर्वाह का परिकलन श्रमिक के परिवार के वास्तविक आय-व्यय (Budget) के ध्यान में रखकर किया जाता है। इस तरीके में समान जीवन-स्तर वाले श्रमिकों के कुछ परिवारों के वास्तविकता के बारे में सूचनाएँ एकत्र की जाती हैं और उसी के आधार पर निर्वाह मजदूरी का परिकलन किया है। न्यायमूर्ति हिग्गिन्स (Justice Higgins) ने निर्वाह मजदूरी के निर्धारण में इसी तरीके को अपनाया।

(ii) औसत कर्मचारी और उसके परिवार के आकार का निर्धारण (Determination of average employee and the size of his family)-

निर्वाह मजदूरी के निर्धारण के लिए औसत कर्मचारी के चयन उसके परिवार के आकार के निर्धारण के सम्बन्ध में भी समस्याएँ उठ खड़ी होती हैं। साधारणतः मजदूरी-प्राधिकारी अकुशल श्रमिक (unskilled labourer) को ही औसत कर्मचारी के रूप में देखते आए हैं और परिवार की आवश्यकताओं के आधार पर ही निर्वाह मजदूरी निश्चित करते आये हैं। अकुशल श्रमिक को मानने के लिए इससे अधिक मात्रा में मजदूरी की व्यवस्था आसानी से हो सकती है।

Scanned with CamScanner

आराम या सुख के स्तर पर श्रमिक के परिवार की सामान्य आवश्यकताएँ तो सहजता से पूरी हो जाती हैं, साथ ही उसकी आय अच्छे मकान एवं घरेलू साज-सामानों की व्यवस्था, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य की रक्षा तथा सामाजिक दायित्वों को निभाने आदि के लिए भी पर्याप्त होती है। जीवन का यह स्तर विकसित देशों में केवल कुछ ही श्रेणियों के औद्योगिक श्रमिकों को उपलब्ध हो पाया है।

जीवन के उपर्युक्त स्तर निर्वाह, विशेषकर मजदूरी-अर्जकों के निर्वाह, की विभिन्न अवस्थाओं के सामान्य द्योतक हैं। इनमें समय और स्थान के साथ-साथ परिवर्तन होते रहते हैं। व्यवहार में, श्रमिकों के परिवार की आवश्यकताओं में शामिल की जानेवाली वस्तुओं और सेवाओं के मदों तथा उनकी मात्रा और प्रकृति के संबंध में अंतर पाए जाते हैं। ये अंतर मुख्यतः अलग-अलग देशों के आर्थिक विकास की अवस्था तथा आय की वितरण संबंधी नीति के परिणाम में हैं। आर्थिक रूप से विकसित देशों के आर्थिक विकास की अवस्था तथा आय का वितरण संबंधी नीति के परिणाम हैं। आर्थिक रूप से विकसित देशों के न्यूनतम स्वास्थ्य और मर्यादा स्तर को अविकसित या विकासशील देशों में सुख या आराम का स्तर भी कहा जा सकता है। जैसे-जैसे भौतिक समृद्धि बढ़ती जाती है तथा राष्ट्रीय आय के वितरण में समानता और सामाजिक न्याय पर जोर दिया जाने लगता है, वैसे-वैसे

Scanned with CamScanner

का यथोचित और विवेकपूर्ण स्तर क्या है? दूसरी ओर एक कर्मचारी कौन है और उसके परिवार के कितने सदस्यों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए?

(i) श्रमिक की सामान्य एवं यथोचित आवश्यकताओं का निर्धारण (Determination of normal and reasonable needs of employee)

सामान्यतः श्रमिक की सामान्य एवं यथोचित आवश्यकताओं का निर्धारण उसके वांछित जीवन-स्तर को ध्यान में रखकर किया जाता है। अधिकांश मजदूरी नियमन श्रमिक और उसके परिवार के स्वास्थ्य, मर्यादा या न्यूनतम आराम के लिए आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं को ध्यान में रखकर निर्वाह का परिकलन किया जाता है। इन आवश्यकताओं को निर्धारित करने के लिए मुख्यतः तीन तरीकों को प्रयोग में लाया जाता है। ये तरीके निम्नलिखित हैं:-

(क) पहले तरीके में श्रमिक के भोजन की आवश्यकताओं को उसकी कार्यकुशलता को बनाए रखने के आवश्यक कैलोरी की मात्रा को सैद्धान्तिक रूप में निश्चित कर लिया जाता है और उसी पर उसके भोजन की लागत का परिकलन किया जाता है। सामान्यतः परिवार के वयस्क, स्वास्थ्य के लिए कैलोरी की इसी मात्रा को आधार मान लिया जाता है। इसी तरह, श्रमिक के परिवार के आवश्यक न्यूनतम आवासीय क्षेत्र के लिए किराये का अनुमान लगाया जाता है। वस्त्र, ईंधन तथा विविध मदों का परिकलन श्रमिक के परिवार के वास्तविक व्यय को ध्यान में रखकर किया जाता है।

Scanned with CamScanner

कुछ आराम के लिए आवश्यक वस्तुओं और सुख सुविधाओं की व्यवस्था को भी ध्यान में रखा जाता है। व्यवहार में निर्वाह मजदूरी के घटकों (components) उनकी प्रकृति तथा मात्रा के संबंध में व्यापक अंतर पाए जाते हैं। वास्तविकता तो यह है कि एक ही आधार पर अलग अलग मजदूरी नियतन प्राधिकारी निर्वाह मजदूरी की अलग अलग राशि निश्चित करते पाए जाते हैं।

निर्वाह मजदूरी के परिकलन से संबंधित कठिनाइयाँ एवं समस्याएँ (Difficulties and problems Relating to calculation of Living Wage)

यद्यपि निर्वाह मजदूरी की अवधारणा को स्पष्ट करने के कई प्रयास किये गए हैं, फिर भी विस्तृत ब्योरे के अभाव तथा कई अन्य कारणों से इनके परिकलन में व्यापक विभेद की संभावना बनी रहती है। अलग अलग देशों में व्यवहार में अपनाए जाने वाले निर्वाह मजदूरी के मानकों के संबंध में भी अन्तर पाए जाते हैं। अनुभव बताता है कि एक ही अवधारणा के प्रचलित रहने पर भी अलग-अलग मजदूरी नियतन प्राधिकारियों ने मजदूरी को अलग अलग आधारों पर निश्चित किया है। इस संबंध में मजदूरी नियतन प्राधिकारियों के सामने दो महत्वपूर्ण समस्याएँ आ खड़ी होती हैं। पहली, श्रमिकों की सामान्य एवं यथोचित आवश्यकताएँ क्या हैं या स्वास्थ्य, मर्यादा या आराम

श्रमिक के परिवार के आकार के संबंध में भी मजदूरी नियतन प्राधिकारियों के दृष्टिकोण में अंतर पाये गए हैं। अधिकांश प्राधिकारियों द्वारा निर्वाह मजदूरी श्रमिक के परिवार के चार या पाँच सदस्यों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नियत की गई है। इसमें श्रमिक स्वयं उसकी पत्नी तथा दो या तीन बच्चे शामिल हैं। कहीं-कहीं छोटे तथा कहीं-कहीं इससे बड़े आकार के परिवार को भी आधार माना गया है। अधिकांश मजदूरी के परिकलन में पत्नी और बच्चों के अर्जन को शामिल नहीं किया जाता है।

श्रमिक और उसके परिवार के उपभोग में आनेवाली वस्तुओं और सेवाओं की कीमत में अंतर पाये जाते हैं। कई देशों में इन कीमतों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग क्षेत्रों के लिए अलग-अलग निर्वाह मजदूरी नियत की जाती है। लेकिन कई अन्य देशों में अलग-अलग क्षेत्रों के लिए कीमतों के अन्तर को ध्यान में रखकर निर्वाह मजदूरी की एक ही दर नियत की जाती है। कहीं-कहीं निर्वाह मजदूरी उपभोक्ता कीमत सूचकांक (consumer price index) के साथ जुड़ी होती है। कीमतों के बढ़ने से निर्वाह मजदूरी की दर स्वतः बढ़ जाती है। उनके कम होने से मजदूरी दर को भी कम कर दिया जाता है। कुछ अवस्थाओं में उपभोक्ता कीमत सूचकांक से जुड़े अलग से महंगाई भत्ते के भुगतान का भी प्रचलन है। कई देशों में निर्वाह मजदूरी को उपभोक्ता कीमत सूचकांक से जोड़ने की व्यवस्था नहीं होती। इस तरह, निर्वाह मजदूरी को उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों से जोड़ने की व्यवस्थाओं में अंतर पाये जाते हैं।

—

Scanned with CamScanner

जो केवल शारीरिक निर्वाहमात्र की ही व्यवस्था नहीं करता, बल्कि जो स्वास्थ्य एवं मनुष्योचित जीवन की जरूरतों के अनुरक्षण, साधारण आराम तथा अधिक महत्वपूर्ण विपत्तियों के प्रति कुछ सुरक्षा की भी व्यवस्था करता है।

("The 'living wage' represents a standard of living which provides not merely for a bare physical subsistence but for the maintenance of health and decency a measure of frugal comfort and some insurance against the more important misfortunates.)

(iii) ग्रेट ब्रिटेन के कृषि मजदूरी अधिनियम (Agricultural Wages Act) के अनुसार निर्वाह मजदूरी वह मजदूरी है जो कार्यकुशलता को प्रोत्साहित करने के लिए पर्याप्त हो तथा जो सामान्य व्यक्ति को स्वयं तथा अपने परिवार को आराम के ऐसे स्तर पर भरण पोषण योग्य बनाए रखे जो उसके व्यवसाय की प्रकृति के संबंध में यथोचित है।

(Living wage must be adequate to promote efficiency and to enable a man in an ordinary case to maintain himself and his family in accordance with such comfort as may be reasonable in relation to the nature of his occupation.)

निर्वाह मजदूरी की उपर्युक्त परिभाषाओं से विदित होता है कि यह ऐसी मजदूरी है जो श्रमिक और उसके परिवार की केवल अनिवार्य आवश्यकताओं को ही पूरा नहीं करती, बल्कि यह उनके लिए सामान्य

Scanned with CamScanner

के लिये कुछ खर्च की व्यवस्था कर सकते हैं। इसके बावजूद इस स्तर की अन्य श्रेणियों के जन समूहों की तुलना में श्रमिकों के न्यूनतम स्वास्थ्य एवं मर्यादा स्तर को उद्धार नहीं कहा जा सकता। इस स्तर पर श्रमिक के परिवार के भोजन, आवास, वस्त्र, ईंधन, रोशनी आदि की सामाजिक आवश्यकताएँ संतोषजनक रूप से पूरी नहीं हो पाती हैं, लेकिन उनकी अन्य विविध आवश्यकताओं की पूर्ति आय की अति सावधानी से खर्च किए बिना नहीं की जा सकती।

संयुक्त राज्य अमेरिका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, तथा कई अन्य देशों में श्रमिकों के रहन-सहन के इसी स्तर के आधार पर निर्वाह मजदूरी का निर्धारण किया गया है। भारत में, उत्तर प्रदेश श्रमिक जाँच समिति (U.P. Labour enquiry Committee) तथा कुछ अन्य सरकारी अभिकरणों ने निर्वाह मजदूरी या पर्याप्त मजदूरी (adequate wage) के निर्धारण में रहन-सहन के इसी स्तर को अपनाने की सिफारिश की है।

(iv) सुख या आराम का स्तर (Comfort level)

यह स्तर "मजदूरी-अर्जकों के उच्चतम वर्ग की प्राप्ति तथा अन्यों के लिए आकर्षण बिन्दु का द्योतक है।" (it represents the attainment of the highest class of wage earners and the exposure of rest)

Scanned with CamScanner

मर्यादा एवं आराम के जीवनयापन के लिए कुछ अन्य सुख सुविधाओं की भी व्यवस्था करती है। जैसा कि इस खंड के भाग में पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि कई देशों में मजदूरी नियमन प्राधिकारी जीवन के न्यूनतम स्वास्थ्य एवं मर्यादा या निर्वाहमान स्तर (minimum health and decency level or subsistence level) को ध्यान में रखते हुए निर्वाह मजदूरी नियत करते आए हैं। कुछ मजदूरी नियमन प्राधिकारी निर्वाह मजदूरी के नियमन में सुख या आराम के निम्नस्तर (minimum comfort level) को भी आधार मानते आए हैं। यद्यपि यह सामान्यतः स्वीकार किया गया है कि निर्वाह मजदूरी के नियमन में निर्धनता स्तर (poverty-level) या न्यूनतम निर्वाहमान स्तर (minimum subsistence level) को आधार नहीं माना जाना चाहिए, फिर भी कुछ देशों में मजदूरी श्रमिकों के जीवन की केवल न्यूनतम आवश्यकताओं को ही ध्यान में रखकर नियत की गई है। यह मुख्यतः अतिशोषण (sweating) की रोकथाम के उद्देश्य से मजदूरी नियमन के संदर्भ में विधेय रूप से पाई जाती है। आधुनिक मजदूरी नियमन में निर्वाह मजदूरी के परिकलन में श्रमिक और उसके परिवार के जीवन की अनिवार्य आवश्यकताओं के साथ-साथ उनके लिए न्यूनतम स्वास्थ्य, मर्यादा या